This question paper contains **2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **3706**

Unique Paper Code : **62051103** **FC**

Name of the Paper : **M.I.L.; Hindi 'B'**

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10+10+10=30

(क) कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूंढै बन माँहि।
ऐसे घटि घटि राँम हैं, दुनियाँ देखै नाँहि ॥

अथवा

कृपासिंधु बोले मुसुकाई । सोइ करु जेहिं तव नाव न जाई ॥
बेगि आनु जल पाय पखारू । होत बिलंबु उतारहि पारू ॥

(ख) बतरस-लालच लाल की, मुरली धरी लुकाइ ।
सौंह करै भौंहनि हँसै, दैन कहै नटि जाइ ॥

अथवा

साजि चतुरंग-सैन अंग मैं उमंग धारि,
सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत हैं ।
भूषण भनत नाद-बिहद नगारन के
नदी नद गैबरन के रलत हैं ।

P.T.O.

(ग) मेरा मंदिर, मेरी मसजिद,

काबा-काशी, यह मेरी ।

पूजा-पाठ, ध्यान-जप-तप है

घट-घट-वासी यह मेरी ॥

अथवा

काट अंध-उर के बंधन-स्तर

बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर,

कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर

जगमग जग कर दे ।

2. बिहारी **अथवा** भूषण का साहित्यिक परिचय दीजिए । 10

3. 'बालिका का परिचय' **अथवा** 'वर दे, वीणा वादिनी...' कविता का सार लिखिए । 10

4. कबीरदास की साखियों का **अथवा** 'केवट-प्रसंग' कविता का सार बताइए । 10

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 5

(*i*) 'हिंदी' शब्द का अभिप्राय

(*ii*) ब्रजभाषा ।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5+5

(*i*) आदिकाल का नामकरण

(*ii*) कृष्ण-भक्ति-काव्य

(*iii*) रीतिमुक्त काव्य

(*iv*) छायावाद ।